

[illegible]

ॐ नमः देवि प्र
कुरु साक्षात् ॥ ध्या
व रुत स आया धरुत
रे यद रे नम ॥ इध
कुरु नि स मि सा या ना
न न या ना न न य ॥ आ
स मि न न ध क द्या य
य मि सा धि सा या ॥ ऐठ

मा ति का वि ध्या वि
न ॥ २ ॥ धर्म न नि
स ए यी ना क न य द
न य ध य ध य न य
न न य ॥ कुरु नि स मि
न वि य ॥ न सा या न न
ख न स मि मा ध क द्या
॥ ॥

ऐठ नमः देवि प्र
न न वि सा र्ता ॥ ध्या न
स य कुरु क ॥ ऐठ न द
व स गो व न स स इ री यी इ न
न व लो व न न प को स इ स क
॥ न न व वि न न य धा ना धी न ना

॥ वि सा र्ता ॥ र मा द
॥ ॥ व नि स ए सा न क न
स्य ॥ ॥ ना नि स म क इ
व न इ आ न व इ वि यी इ स वि
न मा इ य न इ स सो न मा इ व न वि
स न यो क न अ वि यो क न व

Handwritten text in two columns, likely a liturgical or legal document. The script is a form of Old Church Slavonic. The text is arranged in two columns, with the left column starting on the left and the right column starting on the right. The script is a form of Old Church Slavonic, characterized by its unique characters and the use of red ink for certain parts of the text.

Handwritten text in two columns, continuing the liturgical or legal document. The script is a form of Old Church Slavonic. The text is arranged in two columns, with the left column starting on the left and the right column starting on the right. The script is a form of Old Church Slavonic, characterized by its unique characters and the use of red ink for certain parts of the text.

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ त्रयं वा त्रिक धर्मा वासु
नमः ॥ दयितुं धनं सर्वोत्तमं ॥ यत्नं सन् विनाशकं ॥
कात्रहावस्तुतिरेया ॥ ७ ॥ सकृन्मासं कासं तीर्थं तस्मात्तज्ज
उत्थं न वदन्ना नो गानां स ॥ १३ ॥ केन विना यत्नं वदन्ति यत्न
पू॥ गधक ॥ सकृन्मासं ॥ यत्नं ॥ मन्त्रं ॥ सुग ॥ वयं वयं ॥ ००
तिमा ॥ यत्नं ॥ इत्तं पारुता ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
कवमापुतस्त ॥ १४ ॥ सिधं ॥ सुग ॥ सकृन्मासं ॥ वदन्ति यत्नं

इत्तं पारुता ॥ वदन्ति यत्नं ॥ वासु कवमापुतस्त ॥ वदन्ति यत्नं ॥
इत्तं पारुता ॥ वदन्ति यत्नं ॥ कवमापुतस्त ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
कवमापुतस्त ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
वासु कवमापुतस्त ॥ सकृन्मासं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
वासु कवमापुतस्त ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
वासु कवमापुतस्त ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
वासु कवमापुतस्त ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं
वासु कवमापुतस्त ॥ स्य ॥ ०० ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं ॥ यत्नं वदन्ति यत्नं

नवा रु० नख प्र र वां र मं ॥ व स क कृ ती ती धा ॥
व क या थ ध न न शा र्ठ ना म ॥ वि ह न ॥ मन कु न गा
मि ॥ यु ती मि ॥ व द या न या चो ॥ थ ती ही थु च
न न वा रं या या ॥ वा र म स वा व स के कृ न र डा सी ती ॥
कि वा न ॥ मुं ग व । व दि या न वा हा ॥ ज् म जी ॥ ५
रान उ य ॥ ज् म मा ग । पु ती म स थ न स री ती ॥ ५

जा क व कि । न यो र । म न र म उ र उ र ॥ ५
या पु र न । प रा क म वि धि कि सि व ह वा य व स न र्थ ॥
२ द व रा । क त ॥ ७ स ग य ॥ दि ग् । र्थ धा प्र म वा
३ शी ती नि र्थ पा क्षी पुं ठ स या दै । का द व कृ य जी व
४ थि । शी । व वा कृ न ॥ शी रा ॥ स स य उ वि ॥ सा र य र ॥ स म
५ ता ग क री न वा र ज् धा ची नी ज् व र व र ह य र्क पि न
६ या या । थ ग कृ न न र उ उ र न ॥ ११

ASHA ARCHIVES
3411

पुस्तकालय
महाराष्ट्र

925

ॐ सिद्धिमुत्पन्न
नासारुदायाह ॥
मेगुनदेहिय ॥ न
आनासयुयावजान
सतय ॥

ॐ विसयान ॥ नि ॥
सनासनि ॥ रुंगले
गलेरुखा
मेगुलेनयसनि
यायविठे तथा
काययाह
नापा ॥ खान
पम् ॥ गानीएव
दीयवप्रनश

आनाकयादा ॥
नासयद ॥
रुगुसवले ॥
गनरुयसव ॥
दिमुलेआय ॥
विनायक ॥
माकाजि ॥
डापड
रुहाड ॥
आय ॥
नरुय
नरुय
प्रगयासि ॥
प्रगदीद ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीलक्ष्मणाय नमः
 नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ सिद्धिस्तु अहम् ॥ गा वि
दु स गा वि सि न सु से इ ॥
अ संप्र ल न मा न ह्य क य
म ल ॥ १२ ॥

१६ पुत्रं गोपना सा उपय
कृत्वा नापु॥ धर्मं प्रपन्न
नमः प्रपन्नं यत्नं यत्नं
नमः प्रपन्नं यत्नं यत्नं ॥ क३

सं ॥ अथि समर

कदाश्विन नके ॥ अथि

चयं ॥ ॥ अथि

याखी थ ॥ अनादरा

लकुनय द्य ॥ अ

स द्य ॥ ॥ रुनस

अपमोग ॥ साअल

अकमिदिनया ॥

नर ॥ अखाल

स्य ॥ ककुमिदी

॥ ॥ अमयसाम

असमसुगय

अखान सव

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

अनमरु ॥ अ

भासाकय नय ॥

चिकुमाय ॥

का ॥ वागमेक नय ॥

आक मरसाय ॥

यके ॥ लवय ॥

यनि ॥ चियता मनि

सुनिलव्वनयानय

रादिलमागाव्य सुनि

सनाशति ॥ मेवन्मस

॥ नरा ॥ रिसता

य ॥ ॥ दि मरुन

अनस्ययर्मस ॥ चि

ययर्मस ॥ कृण

र ॥ रिसनाशति

नरा ॥ वागमेक गय

यय ॥ ॥ नरा

य ॥ मयमदया ॥ इ

नरा ॥ मलच ॥ चि

॥ रुलन ॥ सुवलम

॥ ० ॥ नरा ॥ साइइ

॥ ॥ नरा ॥ रि

यय ॥ क ॥ याग ॥ नरा

य ॥ खलवागमान

मेस ॥ व ॥ हास ॥ स ॥

अत्रिमस ॥ ॥ अत्रिम

स ॥ ॥ कनलम

स ॥

ॐ नमो नमो सा
ॐ नमो नमो सा
निवागयानके ॥
गस्थानासनिवाग
वदद ॥ वाचद मान
नरा ॥ वसो लव ॥ वि
नरा ॥ नमो सिखा ले
रुद्र रुद्र वयानके
यग कद वयानके
इद ॥ वनके ॥ द्वा
नरा ॥ ॐ वलति ॥
॥ ॥ नरा ॥ साध

मान्य ॥ ॥ नरा को
सनदया भान्य ॥

म ॥ नमो नमो नमो
रु ॥ ॥ नरा ॥ वाच ॥ स
॥ नरा ॥ वे हा क्र सखा
या ॥ ॥ नरा ॥ सा
साकयायाय ॥ ॥
नकाकयायाया ॥ ॥
दोयका वनके ॥ स
॥ ॥ नरा ॥ क सति
॥ ॥ नरा ॥ सा
साकयानके ॥
अनचखिके मोन
न ॥ विदमचमके ॥

कलीखान्य ॥ रु
॥ नरा ॥ अम सखा न

२ नाहायक ॥ नो नये
वकसः मस गय
घन सनाय कय ॥ १
कस ॥ को कनित
नखिसे गनु म
नकुया नगय ॥ धु नि
तिगेय ॥ हा कसि धु
बिंदाय कानि काये ॥
मिं नै गसि धु ॥
दि नयः ध्व धित प्र
१ रु ल दि सि धल वः ॥
कु सि ध ॥ ॥ १ का लखा
सि नाखा धल गो हा क
इगे न ॥ दा य र्क इ
॥ क स ल क इ ल्यः स्य न्य
या सि सि वः दा य र्क ॥
॥ का क्क मा य ॥ ग न क
॥

॥ सु रु त ॥ ॥
व आ क या प्र ॥
॥ आ द न
॥ नि सि ध ॥
॥ य ॥ रु ल न रु
॥ क ॥ वि क न रु
॥ न न व सि क
॥ नि न रु ग दि था प्र ॥
॥ हा क ति ल क स रु ल
॥ रु ल क सि ध ॥
॥ य यो नित य क्क उ आ
॥ ना रु ल दि म क मि सि
॥ ल व सि कि वः सा ग या
॥ रि या न व त य इ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ हा ला प्र ॥ वा स नः सि व
॥ ध ना ना वा क स ल दि न
॥ व र्म य न रु य ॥

[illegible][illegible]

